जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड

खनिज भवन, तिलक मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर– 302015

JAIPUR METRO

E-mail:- pro@jaipurmetrorail.in Phone No. 0141-2822265

2018/6/169–**प्रेस विज्ञप्ति** **दिनांक: 01.06.2018**

आधुनिकता की राह में जयपुर मेट्रो ने पूर्ण किये अपने संचालन के तीन वर्ष

यात्रियों की लाईफ स्टाईल से लाईफ लाईन की ओर बढते कदम

जयपुर के पुरातत्व स्वरुप से नवीन एवं आधुनिकता की ओर बढते हुए 3 जून 2015 से ट्रेन संचालन आरम्भ करने वाली जयपुर मेट्रो भारत की छठी, टियर–2 शहरो एवं राजस्थान की पहली मेट्रो रेल है। संचालन के दौरान यह हर उम्र, धर्म, वर्ग एवं विशेषतः युवा पीढी यात्रियों की लाईफ स्टाईल से लाईफ लाईन के रूप में निरन्तर लोकप्रियता की ओर अग्रसर है। जयपुर मेट्रो प्रतिदिन प्रातः 6:25 बजे से रात्रि 9:45 बजे, 134 फेरो के साथ बिना रूके, बिना थके, एवं बिना किसी अवकाश निर्बाध रूप से यात्री सेवा को समर्पित रही है। निरन्तर 1095 दिनो के संचालन सेवा में एक लाख सैंतालीस हजार फेरे, 14 लाख किलोमीटर की दूरी तय कर 9 स्टेशनो के मध्य 10 किमी लंबे मानसरोवर – चांदपोल खंड में 2 करोड़ 27 लाख यात्रियों को 99.91 प्रतिशत समयपालनता रिकॉर्ड के साथ शत प्रतिशत संरक्षा, सुरक्षा एवं सुगमता प्रदान करते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचाया।

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री पवन कुमार गोयल ने बताया कि गत वर्ष राज्य सरकार द्वारा जयपुर मेट्रो को राजकीय विभाग एवं वाणिज्यिक भवनों की केटेगरी में राजस्थान ऊर्जा संरक्षण अवार्ड तथा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर श्याम नगर मेट्रो स्टेशन को पुरस्कृत किया गया। संचालन के दौरान जयपुर मेट्रो ने देश के कई अनूठे नवाचारो की पहल की:–

(i) डिजीटल इंडिया मिशन

- जयपुर मेट्रो सम्पूर्ण कैशलेस मेट्रो रेल सेवा बनी।
- पब्लिक ट्रांसपोर्ट में ऑटोमेटिक किराया कलेक्शन सिस्टम लागू किया गया।
- स्टेशनों पर निःशुल्क वाई–फाई सुविधा प्रारम्भ।
- यात्रियों हेतु ऑटोमेटिक टिकिट वेडिंग मशीन सुविधा प्रारम्भ।

(ii) महिला सशक्तिकरण

- ऑपरेशन एवं मेन्टीनेन्स में 20 प्रतिशत से अधिक महिलाकर्मीयो की भागीदारी।
- महिला शक्ति रेलवे स्टेशन "श्यामनगर", जहां सम्पूर्ण मेट्रो प्रबंधन महिला कर्मियों का नियंत्रण।
- पहला पब्लिक ट्रांसपोर्ट जहां गर्भवती एवं धात्री महिलाओं हेतु पृथक आरक्षित सीटें।
- मानसरोवर/चांदपोल मेट्रो स्टेशनों पर धात्री महिलाओ द्वारा शिशु स्तनपान कराने हेतु निःशुल्क बेबी फीडिंग रूम–अमृत कक्ष का प्रावधान।

(iii) <u>मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट इन्टीग्रेशन</u>

- ऑटोमेटिक टिकिट वेडिंग मशीन स्थापित जहाँ भारतीय रेलवे के किसी भी श्रेणी के अनारक्षित टिकिट मेट्रो के रेलवे स्टेशन एवं सिंधी केम्प स्टेशन पर तथा मेट्रो के टोकन/कार्ड रेलवे के जयपुर जंक्शन पर खरीदने की व्यवस्था।
- फर्स्ट एवं लास्ट माईल कनेक्टीविटी के तहत चांदपोल, मानसरोवर एवं न्यू आतिश मार्केट स्टेशनों से पीपीपी मॉडल पर टाटा मेजिक फीडर सेवा संचालन।
- मेट्रो स्टेशन तक यात्रियों के आवागमन में 15 प्रतिशत कम किराये पर एप आधारित "जुगनू" ऑटो रिक्शा सेवा।
- चांदपोल, सिंधी केम्प एवं रेलवे स्टेशन पर एप आधारित पब्लिक बाईसिकल शेयरिगं सेवा सुविधा।
- मानसरोवर एवं रेलवे स्टेशन पर एप आधारित पब्लिक मोबाईक शेयरिगं सेवा सुविधा।
- रेलवे स्टेशन मेट्रो स्टेशन से जयपुर जंक्शन के बीच सतही वॉकवे सुविधा।

इसके अतिरिक्त मेट्रो द्वारा यात्रियों के लिए इमरजेंसी में 24x7 निःशुल्क चिकित्सा सुविधा हेतु मोबाईल एप भी लॉच किया। संचालन अवधि में सामाजिक सरोकार निभाते हुए मेट्रो ट्रेनों एवं स्टेशनों पर खोया–पाया विभाग द्वारा 2 लाख से ज्यादा नकद रूपये तथा चालीस आईटम बिना किसी चार्ज यात्रियों को लौटाया गया। स्वच्छता मिशन एवं मेट्रो नियमों की पालना में 2500 यात्रियों को दंडित किया। संरक्षा मंजूरी के पश्चात् चांदपोल मेट्रो स्टेशन प्लेटफॉर्म नं. 2 यात्री सेवाओं हेतु खोला गया। नवरात्रि से दीवाली के मध्य यात्री मांग को देखते हुए 256 अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन किया। विवेक विहार मेट्रो स्टेशन को केवल एलईडी लाईटों से प्रकाशित स्टेशन बनाया गया। बिजली खर्च में 2016–17 की तुलना 2017–18 में 2.5 करोड़ रूपये की बचत हुई।

सीएमडी श्री पवन कुमार गोयल ने बताया कि आगामी वर्ष में जयपुर मेट्रो ने यात्री भार को कम से कम डेढ गुना बढाने के साथ साथ राजस्व आय में 5 गुना वृद्धि कर परिचालन घाटे को कम करने के लिए कई मिशन कार्यक्रमों का निर्धारण किया हैः–

- चांदपोल–छोटी चौपड़–बड़ी चौपड़ के मध्य 2.3 किलोमीटर लम्बे भूमिगत मेट्रो रेलमार्ग को यात्री सेवा के लिए शुरू करना, ताकि परकोटे तक आने जाने के लिए अधिक से अधिक यात्री मेट्रो ट्रेन सेवाओं का उपयोग करें।
- नॉन फेयर बॉक्स आय जो वर्ष 2017–18 में 4.32 करोड़ रूपये थी, उसे इस वित्तिय वर्ष में 14 करोड रूपये का लक्ष्य रखा गया है।
- मेट्रो ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी, 15 मिनट से घटाकर 10 मिनट तक लाने के साथ साथ संचालन अवधि में भी वृद्धि कर अधिकाधिक यात्रियों को मेट्रो के उपयोग की तरफ आकर्षित करना।
- सभी मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों को लाने ले जाने के लिए 100 अतिरिक्त टाटा मैजिक फीड़र सेवा का कार्यादेश जारी कर दिया गया है, वहीं सभी स्टेशनों पर ई–रिक्शा सेवाओं को बढाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।
- मुख्य संरक्षा आयुक्त की मंजूरी के बाद जयपुर मेट्रो ट्रेनों का ऑटोमेटिक ट्रेन ऑपरेशन मोड में भी संचालन।

जनसम्पर्क अधिकारी